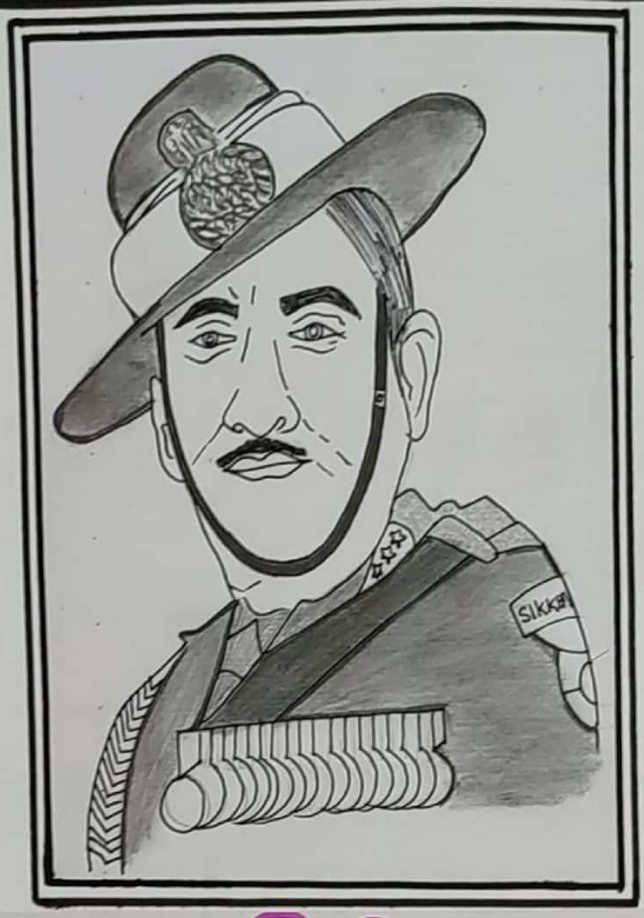

जनरल बिपिन रावत

जनरल बिपिन रावत भारत के पहले रक्षा या चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) थे। उनका जन्म 16 मार्च 1958 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में चौहान राजपूत परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम लक्ष्मण सिंह रावत था जो सेना लेफ्टिनेंट जनरल थे और सेना में डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बनाया गया था। बचपन से घर में देश प्रेम और भारतीय फौज के रुतबे का माहौल रहा। उन्होंने भी बचपन से ही सेना में जाने का मन बना लिया था। उन्होंने अपनी स्कूलिंग देहरादून के कैम्ब्रियन हॉल स्कूल और सेंट एडवर्ड स्कूल, शिमला में प्राप्त की और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA), खडकवासला और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में शामिल हो गए, जहाँ उन्हें 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया।

उन्होंने डिफेंस स्टडीज में एम. फिल किया था और मद्रास विश्वविद्यालय से मैनेजमेंट और कंप्यूटर स्टडीज में डिप्लोमा हासिल किया था। इसके बाद उन्होंने तमिलनाडु के डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (DSSC), वेलिंगटन से ग्रेजुएशन किया और अमेरिका के कमांड एंड जनरल स्टाफ कॉलेज से हायर कमांड कोर्स किया था। मिलिट्री मीडिया स्ट्रैटेजिक स्टडीज पर उनकी रिसर्च के लिए, उन्हें चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया था। 16 दिसंबर 1978 को जनरल बिपिन रावत को 11 गोरखा राइफल्स की पांचवी बटालियन में नियुक्त किया गया। उन्हे 30 जनवरी 2019 को भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सीडीएस बनाया गया था।

देश के पहले सीडीएस, जनरल बिपिन रावत का निधन 8 दिसंबर 2021 को तमिलनाडु के कुन्नूर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना के कारण हो गया। उनके साथ उनकी पत्नी मधुलिका रावत और 12 अन्य सदस्य मौजूद थे, जिनमें से केवल एक ऑफिसर बच पाए और बाकी सभी हेलीकॉप्टर क्रैश का शिकार हो गए। जनरल बिपिन रावत ने भारत की सैन्य तैयारियों को दुश्मनों से मुकाबले के लिए नई बुलंदियों पर पहुँचाया।

Scanned with CamScanner